

# **NCERT SOLUTIONS**

**CLASS - 11th**



*aglasem.com*

Class : 11th

Subject : History

Chapter : 1

Chapter Name : समय की शुरुआत से

Q1 पृष्ठ-13 पर दिये गए सकारात्मक प्रतिपुष्टि व्यवस्था (Positive Feedback Mechanism) को दर्शाने वाले आरेख को देखिए। क्या आप उन निवेशों (Inputs) की सूची दे सकते हैं जो औजारों के निर्माण में सहायक हुए? औजारों के निर्माण से किन-किन प्रक्रियाओं के बल मिला?

Answer. सकारात्मक प्रतिपुष्टि व्यवस्था (Positive Feedback Mechanism) वांछित परिणामों की प्राप्ति के उद्देश्य को पूर्ण करती है। इसके अनुसार औजारों के निर्माण में सहायक हुए निवेश निम्नलिखित हैं-

- 1-मस्तिष्क के आकार और उसकी क्षमता में वृद्धि हुई।
- 2-आँखों से निगरानी, भोजन और शिकार की तलाश में लंबी दूरी तक जाने का बल मिला।
- 3-औजारों के इस्तेमाल, चीजों और बच्चों को सम्हालने के लिए हाथ मुक्त हुए।
- 4-सीधे खड़े होकर चलना।

औजारों का निर्माण मानव सभ्यता के परिवर्तनकारी बिन्दुओं में से एक है। सबसे पहले आस्ट्रेलोपिथेकस ने औजारों का इस्तेमाल किया था, जिसके साक्ष्य इथियोपिया के पुरा-स्थलों से प्रपट हुए हैं। औजार को बनाने के तरीके वर्षों तक वही बने रहे। शुरुआती औजार बेडौल तथा भोंडे हुआ करते थे। विकास के क्रम में मानव ने उनको धार देना और पालिश करना भी सीख लिया। इसके परिणामस्वरूप मानव विकास की निम्न प्रक्रियाओं को बल मिला

शुरुआत में औजारों का प्रयोग सुरक्षा और शिकार तक सीमित था। वनस्पतियों और फसलों की पहचान के बाद कृषि की तरफ उन्मुख हुए मानव को औजारों से विशेष प्रोत्साहन मिला। औजारों का प्रयोग प्रायः सीधे खड़े होकर करना पड़ता था इसलिए इससे इस क्षमता का भी क्रमिक विकास हुआ। औजारों के विकास से मानव की दैनिक जीवन शैली में विशेष परिवर्तन आया। इसमें आश्रय बनाकर रहने से लेकर खान-पान और वेश-भूषा, बर्तन बनाने के नवीन साधनों के विकास के रूप में समझा जा सकता है।

Page : 28 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q2 मानव और लंगूर तथा वानरों जैसे स्तनपाइयों के व्यवहार तथा शरीर रचना में कुछ समानताएँ पायी जाती हैं। इससे यह संकेत ही मिलता है कि संभवतः मानव का क्रमिक विकास वानरों से हुआ।

(क) व्यवहार और

(ख) शरीर रचना शीर्षकों के अंतर्गत दो अलग-अलग स्तम्भ बनाइये और उन समानताओं की सूची दीजिये।

दोनों के बीच पाये जाने वाले उन अंतरों का भी उल्लेख कीजिये जिन्हें आप महत्वपूर्ण समझते हैं?

Answer. मानव और लंगूर तथा वानर तीनों ही प्रजातियाँ स्तनपायी प्राणियों की प्राइमेट श्रेणी से विकसित हुई हैं। इसलिए निश्चित रूप से इनमें व्यवहार तथा शरीर रचना में समानताएँ और विभेद परिलक्षित होते हैं। इसे निम्न बिन्दुओं में समझा जा सकता है -

(क) व्यवहार के स्तर पर - स्तनपायी जीवों की प्राइमेट श्रेणी आगे इसके दो उपसमूह बने 'होमोनाइड और होमिनिड' होमोनाइड से वानर और होमोनिड से मानव विकसित हुए। होमोनिड का मस्तिष्क होमोनाइड कि

तुलना में बड़ा और विकसित था इसलिए एक ही श्रेणी के जीव होने के बाद भी इनका विकास अलग अलग तरीके से हुआ। होमोनिड सीधे खड़े होकर चलते थे, औजारों से शिकार करते थे क्योंकि इनके हाथों की बनावट अलग थी जबकि होमोनिड चौपाये थे और अक्सर पेड़ों पर रहते थे। इन प्राणियों के नवजात शिशु प्रायः इनकी गोद में होते या शरीर से चिपके रहते थे।

(ख) शरीर रचना के स्तर पर – होमोनिड चौपाये थे उनका शरीर छोटा और शरीर का अगला हिस्सा लचकदार था। होमोनिड सीधे खड़े होकर दो पैरों पर चलते थे इससे उनके पास दो हाथ खाली हुए साथ ही चलने में उतनी ऊर्जा खत्म नहीं होती थी। इसके परिणाम स्वरूप आगे होमोनिड ने औज़ार बनाना, शिकार की तलाश में दूर तक जाना और खेती करना आश्रय बनाने जैसी कलाएं सीखीं। इन प्रजातियों में हाथ की पकड़ का तरीका लगभग समान था फिर भी उँगलियों के विकास से होमोनिड की पकड़ ज्यादा सशक्त थी। दोनों ही अपने पिछले पैरों पर खड़े हो सकते थे। इन प्राणियों के शरीर पर प्रायः बाल होते थे।

प्राइमेट श्रेणी के दो पृथक उपसमूह से विकसित जीव होने के परिणामस्वरूप इनमें व्यवहार और शरीर रचना के स्तर पर भिन्नताएँ भी हैं। इन्हें निम्न बिन्दुओं में समझा जा सकता है –

शारीरिक गठन और मस्तिष्क का विकास दोनों ही जीवों में अलग तरीके हुआ। मानव की शारीरिक क्षमताओं का विकास सीधे खड़े होकर चलने के क्रम में हुआ जबकि वानर और लंगूर अपने पिछले पैरों पर खड़े तो हो सकते थे लेकिन ज्यादा समय तक नहीं। मस्तिष्क के विकास और आकार के परिणामस्वरूप मानव ने शिकार करने औज़ार बनाने की कलाओं का आविष्कार किया जबकि वानर और लंगूर जंगलों में ही रहे। दोनों प्राणियों के चहरे और दाँत की बनावट में अंतर था।

Page : 28 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q3 मानव उद्भव के क्षेत्रीय निरंतरता मॉडल के पक्ष में दिये गए तर्कों पर चर्चा कीजिये। क्या आपके विचार से यह मॉडल पुरातात्विक साक्ष्य का युक्तिसंगत स्पष्टीकरण देता है?

Answer. मानव उद्भव के क्षेत्रीय निरंतरता और प्रतिस्थापन मॉडल उनकी विश्व के विविध भागों में मौजूदगी के आधार पर उनके विकास की पृथक अवधारणाएं सामने रखते हैं। क्षेत्रीय निरंतरता मॉडल मानव का उद्भव अनेक क्षेत्रों में हुआ जबकि प्रतिस्थापन मॉडल मानव उद्भव का एक ही स्थान, अफ्रीका को स्वीकार करता है। मानव की विविध प्रजातियों के स्वरूप और विकास को आधार बनाकर क्षेत्रीय निरंतरता मॉडल की अवधारणा को बल मिलता है। अलग-अलग क्षेत्रों में रहने वाली विविध प्रजातियों की निजी विशेषताएँ उनके नियत पूर्वजों से विकसित हुई थीं। इसके उलट प्रतिस्थापन मॉडल मानव के सभी आदि रूपों के सम्मिलित रूपान्तरण में आधुनिक मानव के उद्भव की बात को मानता है।

पुरातात्विक साक्ष्य क्षेत्रीय निरंतरता मॉडल की तुलना में प्रतिस्थापन मॉडल का युक्तिसंगत स्पष्टीकरण देता है।

Page : 28 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q4 इनमें से कौन सी क्रिया के साक्ष्य व प्रमाण पुरातात्विक अभिलेख में सर्वाधिक मिलते हैं :

(क) संग्रहण, (ख) औज़ार बनाना, (ग) आग का प्रयोग।

Answer. संग्रहण, औज़ार बनाना और आग का प्रयोग इनमें से औज़ार बनाने के साक्ष्य और पुरातात्विक अभिलेख सर्वाधिक मिलते हैं। पुरा-स्थलों से मिले साक्ष्यों के अनुसार आस्ट्रेलोपिथेकस (56 लाख वर्ष पूर्व) ने

सर्वप्रथम औज़ार का प्रयोग किया था। इसके प्रमाण इथियोपिया से मिले हैं। औज़ारों की उपयोगिता निश्चित रूप से संग्रहण और आग के प्रयोग से कहीं अधिक थी। सुरक्षा और शिकार के उद्देश्य से सभी अपने अपने स्तर पर औज़ार बनाते और उसका प्रयोग करते थे। शुरुआती औज़ार भोंडे, बेडौल और खुरदुरे थे जिससे इनके प्रयोग सीमित थे। बाद में मानव ने कृषि और आवास निर्माण के क्रम में अनेक औज़ार विकसित किए। इसके अध्ययन की सुविधा और साक्ष्यों की अधिकता के अनुरूप इन्हें पुरा पाषाणकाल, मध्य पाषाणकाल और नव पाषाणकाल में विभक्त किया गया है। जबकि अग्नि के प्रयोग के साक्ष्य आज से 14 लाख वर्ष पुराने हैं। संग्रहण की समझ मानव में इन दोनों के बाद आई।

Page : 28 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q5 भाषा के प्रयोग से (क) शिकार करने और (ख) आश्रय बनाने के काम में कितनी मदद मिली होगी? इस पर चर्चा कीजिये। इन क्रियाकलापों के लिए विचार-सम्प्रेषण के अन्य किन तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता था?

Answer. आज भाषा के मुख्यतः दो रूप प्रचालित हैं – मौखिक व लिखित। लेकिन भाषा के आधुनिक स्वरूप से इसके उद्भव और विकास की यात्रा काफी रोचक है। निश्चित रूप से मानव के विकास से जुड़ी हुई है। इस संदर्भ में होमोहेबिलस प्रथम ऐसा उपसमूह था जो बोलने में समर्थ था इस आधार पर भाषा का विकास संभवतः 20 लाख वर्ष पुराना माना जा सकता है। इसके पहले भाषा के उद्भव पर विचार करना जरूरी है। मानव मस्तिष्क कला के प्रति शुरुआत से ही आकृष्ट रहा है। अनेक पुरा-स्थलों पर पाई गई चित्रकारियाँ इस बात का प्रमाण हैं, जो लगभग 30 से 10 लाख वर्ष पुरानी हैं। इन चित्रकारियों में विविध जानवरों और पक्षियों के चित्र अंकित हैं। शिकार उस समय मानव की मौलिक आवश्यकता थी। इसलिए ये भित्तिचित्र प्रायः शिकार की विविध तकनीकियों को समझने हेतु पीढ़ी दर पीढ़ी प्रयोग में आए। कुछ विद्वानों का मानना है कि आगे ये चित्र शिकार में सफल होने के उद्देश्य से रीति-रिवाज के रूप में बनाए जाने लगे।

भाषा के निर्माण में ध्वनि प्रतीकों का संकलन और उनकी व्यवस्था से विचार विनिमय की प्रक्रिया में निश्चित रूप से काफी वक्रत लगा। इसके पहले अंगविच्छेप, गुणगुनाने जैसी क्रियाओं से मानव संपर्क साधा करता था। भाषा का मौखिक रूप या बुलाने- बोलने की प्रक्रिया का विकास नर-वानरों से देखने को मिलता है। उच्चरित भाषा के विकास में कला की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इसके बाद शिकार करने के लिए मानव समूहबद्ध होने लगा। इससे शिकार की संभावनाएं बढ़ीं और शिकार करना सहज भी हो गया।

विकास के क्रम में मानव शिकार के लिए दूर दूर तक जाने लगा और इसी दौरान उनसे वनस्पतियों, पेड़ पौधों और मौसम के अपने अनुमान के अनुसार कृषि की संभावनाएं विकसित कीं। अब गुफा और पेड़ों के अलावा उसे नियत स्थान पर रुककर फसल की देख-रेख और कटाई के लिए आश्रय की आवश्यकता महसूस हुई। परिणामस्वरूप शुरुआत में उसने पेड़ की टहनियों और घास-फूस की झोपड़ियां बनाईं आगे वह मिट्टी की और फिर पक्की ईंटों का प्रयोग भी करने लगा। आश्रय-निर्माण निश्चित रूप से सम्मिलित और सामूहिक क्रिया थी इसमें भाषा का अनिवार्यता को सहज ही समझा जा सकता है। अतः भाषा के उच्चरित रूप के विकास और विस्तार से पहले आश्रय और फिर समाज निर्माण की प्रक्रिया को बल मिला।

Page : 28 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

Q6 अध्याय के अंत में दिये गए प्रत्येक कालानुक्रम में से किन्हीं दो घटनाओं को चुनिये और यह बताइये कि इसका क्या महत्व है?

Answer. कालानुक्रम-1 से –

होमो इरेक्टस (18 लाख वर्ष पूर्व) – होमो इरेक्टस के प्रथम प्राप्त अवशेष 18 लाख वर्ष पुराने हैं। इनके उद्भव के प्रमाण अफ्रीका महाद्वीप में मिलते हैं जहां से यह यूरोपीय, जॉर्जिया, इन्डोनेशिया, चीन और भारत में विकसित हुए। होमो इरेक्टस से तात्पर्य मनुष्य की उस प्रजाति से है जिसने खड़े होकर चलना सीख लिया था। पुरा-वैज्ञानिक होमो इरेक्टस को ही आग का प्रथम प्रयोगकर्ता मानते हैं। इनका सबसे आधुनिक अवशेष 70,000 वर्ष पुराना है। मानव विकास के क्रम में और मानव-विकास को वानर और लंगूर से अलगाव से क्रम में होमो इरेक्टस को महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है।

होमो-सेपियंस (आधुनिक मानव) 1.9 से 1.6 लाख वर्ष पूर्व - होमो लैटिन भाषा शब्द है जिसका अर्थ है – 'मानव'। होमो हैबिलस, होमो इरेक्टस और होमो-सेपियंस या चिंतनशील आधुनिक मानव, इन सभी को उनकी विशिष्टताओं के आधार पर पृथक किया गया। होमो-सेपियंस इनमें से सबसे आधुनिक और विशिष्ट हैं। ये प्रजाति मानवों के सर्वोत्तम गुणों को प्रदर्शित करती हैं साथ ही मानव विकास के पृथक चरणों को भी। होमो-सेपियंस आग के प्रयोग से खाना बनाना, कपड़े बनाना, बातें करना और सीधे खड़े होकर चलना जानते थे। आधुनिक मानव इन्हीं का विकसित रूप है

कालानुक्रम -2 से

चूल्हों के इस्तेमाल के बारे में सबसे पहला साक्ष्य :- फ्रांस में स्थित लेजरेट गुफा की दीवार को 12/4 मीटर आकार के एक निवास स्थान के साथ बनाया गया है यहाँ दो चूल्हों के साथ ही खाद्य पदार्थों के साक्ष्य मिले हैं। इसी तरह केन्या में चेसोवांजा और दक्षिणी अफ्रीका में स्वार्टक्रांस में पत्थर के औजारों के साथ ही आग में पकाई गई चिकनी मिट्टी और जाली हुई हड्डियों के अवशेष चूल्हे के प्रमाण देते हैं। भारत में चूल्हे का प्राचीनतम साक्ष्य आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में स्थित बिलासुर ग्राम से मिले हैं। चूल्हे मानव द्वारा आग का नियंत्रित प्रयोग करने के द्योतक थे इन्का मूल प्रयोजन खाद्य पदार्थ को पकाने में था। इसके साथ ही इसका प्रयोग जंगली जानवरों से बचाव और औज़ार निर्माण में होता था

सिलाई वाली सुई का आविष्कार :- सिले हुए कपड़ों ने मानव सभ्यता को एक नया रूप दिया। इनके सबसे पहले प्रमाण 21,000 वर्ष पुराने हैं। सुई का आविष्कार इसी के आस- पास हुआ। इसके बाद रोयेदार जानवरों की खाल से कपड़े बनाने की कला का विकास हुआ। इसके साथ साथ अन्य बारीक हथियार बनाने की तकनीकें विकसित हुईं। कला के क्षेत्र में भी हाथी दाँत और लकड़ी-पत्थर आदि पर नक्काशी की कलाएं विकसित हुईं।

Page : 28 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए